भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- †810

उत्तर देने की तारीख- 04/12/2025

गांवों द्वारा स्व-विकास योजना विकसित करने की पहल

†810. एडवोकेट गोवाल कागडा पाडवी:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने 2 मिलियन अधिकारियों के प्रशिक्षण के साथ आरंभ होकर 2 अक्तूबर, 2025 तक लगभग 1,00,000 आदिवासी बहुल ग्रामों को अपनी पांच वर्षीय विकास योजनाओं को विकसित करने में सक्षम बनाने के लिए पहल आरंभ की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) महाराष्ट्र में विशेष रूप से नंदुरबार संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में ऐसे ग्रामों की संख्या कितनी है जिन्हें चयनित किया गया, प्रशिक्षित किया गया और जिन्होंने अपनी विकास योजनाएं जमा की हैं;

(ग) क्या दूरस्थ या पिछड़े जिलों के जनजातीय ग्रामों के लिए वित्तपोषण, तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण सहित विशेष सहायता निर्धारित की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे इन योजनाओं का डिजाइन, निगरानी और कार्यान्वयन कर सकें और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) जनजातीय बहुल ग्रामों में समय पर योजनाओं को जमा करना, योजनाओं की गुणवत्ता, अनुमोदित योजनाओं के कार्यान्वयन और परिणामों की निगरानी के लिए सरकार द्वारा अपनाए जाने वाले तंत्र का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इस कार्यक्रम के अंतर्गत जनजातीय ग्रामों में बेहतर आधारभूत संरचना, सेवा वितरण और आजीविका परिणामों जैसे प्रारंभिक मापनीय परिणामों की अपेक्षा करने की समय-सीमा क्या है और राज्य-वार तथा जिला-वार प्रगति रिपोर्ट कब तक जारी की जाएगी?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क): जी हां, जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने 20 लाख प्रेरित कार्यबल या 'आदि कर्मयोगियों' के कैडर के माध्यम से एक उत्तरदायी शासन और क्षमता निर्माण कार्यक्रम के रूप में 'आदि कर्मयोगी अभियान' शुरू किया है, जिसमें सरकारी अधिकारी, जनजातीय जमीनी स्तर के कार्यकर्ता और ग्राम स्तर के परिवर्तनकारी

नेता शामिल हैं। इस कार्यक्रम में पहले चरण में 26 राज्यों, 326 जिलों, 2244 ब्लॉकों और 61,841 गांवों को शामिल किया गया। इसका शुभारंभ 10 जुलाई 2025 को किया गया था।

(ख): महाराष्ट्र में 6859 गांवों में से 6567 ने ग्राम कार्य योजना तैयार की और अपलोड किया। नंदुरबार जिले में आदि कर्मयोगी अभियान के पहले चरण में 6 प्रखंड और 717 गांव हैं। सभी 717 गांवों को प्रशिक्षित किया गया है और उन्होंने अपनी ग्राम कार्य योजनाएं तैयार की हैं। आदि कर्मयोगी अभियान पोर्टल के अनुसार, 662 गांवों ने अपनी ग्राम कार्य योजनाएं अपलोड कर दी हैं।

(ग): जी हां, राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर मास्टर प्रशिक्षकों के कैडर द्वारा तकनीकी सहायता प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, ग्राम कार्य योजना तैयार करने और सहभागी ग्राम कार्यशालाओं के आयोजन के लिए प्रति गांव 2,300 रुपये के आवंटन द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

(घ): जी हां, मंत्रालय के पास ग्राम कार्य योजनाओं की निगरानी और समीक्षा के लिए 'आदि कर्मयोगी अभियान' पोर्टल और डैशबोर्ड नामक एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल है।

(ङ): ग्राम कार्य योजनाएं दूरदर्शी होती हैं और समुदाय की सामूहिक विकासात्मक आकांक्षाओं पर आधारित होती हैं। डीजेजीयूए और पीएम जनमन जैसी अभिसरण आधारित योजनाओं के माध्यम से ऐसी ग्राम कार्य योजनाओं से प्राप्त किए जा रहे विकास कार्यों के आधार पर पहले मापने योग्य परिणाम 3-5 वर्षों में अपेक्षित हैं।

*****